4145 -

डाव एम०सी० जोशी अपर सचिव उत्तराचल शासन ।

सवा म

जिलाधिकारी, पिथारागढ / चम्पावत / चमाली, उत्तरांचल।

ऊर्जा विभाग,

देहरादूनः दिनाकः 16 मार्च, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 में उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि0 को ग्रामीण विद्युतीकरण के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर नोडल ऐजेन्सी तथा जनपद एवं विकासखण्ड स्तर पर समितियां गठित करने के सम्बन्ध में।

महाद्य

शासनादेश संख्या \$11/1/2004-05/03/04 दिनांक 29.09/2004 के कम में मुझे यह कहने का निवंश हुआ है कि वर्ष 2007 तक प्रामां तथा वर्ष 2009 तक सभी परिवारों के विद्युतीकरण किये जाने के लक्ष्य एवं ग्रामाण विद्युतीकरण की बदली हुई परिभाषा के परिप्रेक्ष्य में तथा सर्वेक्षण से प्राप्त सूबनाओं का विकासखण्डवार/जनपद पर सूबनाओं का संकलन करने हेतु अनुदान के रूप में २० 3,38,800/— की आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग के माध्यम से संलग्न बीठएमठ 15 के अनुसार सूगमाकित २० 3,39,000.00 (२० तीन लाख उन्तातिस हजार मात्र) की अतिरिक्त धनशाश के विपरीत संलग्नक में वर्णित जनपदवार फॉट के अनुसार खब हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की भी राज्यपाल महोदय निम्म शर्ती के अर्धान सहयं स्वांकृति प्रदान करते हैं—

- 1— स्वीकृत धनराशि के बित उत्तरांचल पावर कारपोरंशन लि0 के जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा तेवार / हस्ताक्षरित किये जायेंगे तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त कोषागार से धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- 2— प्रत्येक अनुदान आहरण की सूचना महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून को शासनादेश की प्रति के साथ कांपागार का नाम, वाउचर संख्या, निधि लेखाशीर्षक सूचित करते हुये भेजगे।
- 3— स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन को दिनांक 31,03,2005 तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जावेगा।
- 4— आवंटित धनराशि को किसी ऐसी मद जिसके लिये फाइनेन्सियल हेण्ड बुक, बजट मैनुअल तथा स्टोर पर्चेज के नियमों के अन्तर्गत शासन वा अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है, तो तवानुसार स्वीकृति प्राप्त करके व्यय किया जायेगा।
- 5- स्वीकृत धनराशि को अन्यत्र उपयोग न किया जाय।
- 6 जनपदवार व्यय आविंदित सीमा तक ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा आर किसी भी स्थिति म अवटन से आवेक व्यय नहीं किया जायेगा अन्यथा इसका वित्त पांषण शासन द्वारा नहीं किया जायेगा।

- 2

7— स्वीकृत धनराशि को वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्यक 2801-विजली-08-ग्रामीण विद्युतीकरण-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-05-ग्रामीण विद्युतीकरण का नियोजन तथा अनुश्रवण-00-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश दिला विभाग के अशासकीय संख्या 749/वि०अनु०-3/०४, दिनांक 14 मार्च, 2005 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं। सलगनक- यथीवत 2 नंत।

भवदीय

(डा० एम०सी० जोशी) अपर सचिव

संख्या: 602/1/2005-05/02/04, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित--

1- महालखाकार उत्तरांचल ।

2- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को माठ मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।

3- अपर निजी सविव, कर्जा राज्य मंत्री, उतारांघल शासन को माठ राज्य मंत्री के संज्ञान में लाने हेतु।

4- काषाधिकारी पिथारागढ/चम्पावत/चमोली उत्तराचल।

5- वित्त अनुभाग-3

6- सचिव नियाजन विभाग।

7- सचिव उत्तरचल विद्युत नियामक आयाग देहरादून।

अध्यक्ष एवं प्रवन्ध निर्देशक, उत्तरांचल पावर कारपेरेशन लिं०, देहरादून।

9- प्रभारी एन.आई सी सचिवालय परिसर, देहरादून।

10-गाउँ फाइल हेतु।

आज्ञा से,

(डा० एम०सी० जोशी) अपर सचिव

शासनादेश संख्या (०२ /1/2005-05/02/04, दिनांकः) (, मार्च, 2005 का संलग्नक

धनराशि जनपद कमाक मद 3 4 1 ग्रामीण विद्युतीकरण का नियोजन तथा पिथौरागढ 284.0 1-अनुश्रवण । चन्पावत 14.8 चमोली 40.0 योग:-338.8

कुल योग रु० 3,38,800.00 (रु० तीन लाख अडतिस हजार आठ सौ मात्र)

(डाठ एम०सी० जोशी) अपर सचिव

पुनर्वतिनिशोष २००४-२००५ आयोजनागत अनुदान स्तः २। निकारक जिल्ली रहेरेत ऊर्ज किएम 51-04JOS

क्जट प्राव्यान सथा लेखादीर्घक का विवरण	सानक भद्रवार ऋयावधिक क्षय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुवाधित कार्य	सरस्वत सरस्वत	वेस्क्रीर्गक विश्वयं हम्यावि मामान्यस्ति विश्वय क्षण है।	पुत्रविनियोग कं बाद स्तम्ब 5 की अन्त प्रमुखींग	पुगर्वितियोग के खार स्टान्त । में युद्ध अवशेष धनराशि
1	10	ω	4	day.	đi	7
2801 - विज्ञती वर्त — प्रामीण विद्यतीयस्त्रण वर्त - भिजी नलकुप् , प्रामकेट में चिद्रत संयोजन योजन्य २० - सहाराक अनुसन , अराव्हान , कन्न सहाराजी २२९००	22500	1861	X20(4)	2801 - विन्तरी 06 ग्रांकीण विद्युवीकरण 1903 - सम्ब 05 ग्रांकीण विद्युवीकरण वन नियोजन तम्ब 3 प्रमाण	\$ ₁₀ ; 10.5 10.5 10.5 10.5 10.5	2151
20500	22500	1996	9399	900	2139	32161

किता अनुमास-उ संस्था / विध्यान- ३/२००४ देहकहून हिनाक पार्थ, २००५ पुनर्वित्रक्षेग स्वीकृत उत्तर्यचल आराग

(डाठ एमतरीठ जोशी) अपन सचिव

((स्तरम पत)

अपर राधिव

Ireale 77/2008-08/02/04 | Renta मार्च, 2005

प्रतिनिधि निष्पतिसित को सूचनार्य एव आवश्यक कार्यभागि हेतु प्रतिता

2- तिता अनुसम्-अ - क्षेत्रप्त कोणधिकारी, वेहकडून।

(डाठ एम्करीठ जोशी) अपर सर्वनेव